

कक्षा 12 – भूगोल

उत्तरमाला – 2

खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्न (1 × 20 = 20 अंक)

1. (ग) चपटा गोला (Geoid)
2. (ग) भौगोलिक जाल
3. (ग) सूर्य किरणों का कोण
4. (ख) 6.5°C प्रति 1000 मीटर
5. (घ) आंतरिक कोर
6. (ख) स्थल-जल ताप भिन्नता
7. (ग) अरब सागर से
8. (ग) वनों की कटाई
9. (ग) नदी के मुहाने पर
10. (ग) पर्यावरणीय दबाव
11. (ख) बिहार
12. (क) झूम कृषि
13. (ग) इस्पात उद्योग
14. (ख) उत्तर प्रदेश में
15. (ग) जल परिवहन
16. (ग) एक देश के भीतर व्यापार
17. (ग) आवास संकट
18. (ख) दूरी मापने के लिए
19. (घ) उपयुक्त सभी
20. (ग) पर्यावरण संतुलन

खंड - ख : वर्णनात्मक प्रश्न (50 अंक)

प्रश्न 1. पृथ्वी की आंतरिक संरचना का वैज्ञानिक विवरण प्रस्तुत कीजिए। (10 अंक)

पृथ्वी की आंतरिक संरचना को वैज्ञानिक आधार पर तीन मुख्य भागों में विभाजित किया जाता है—

(1) भूपर्पटी (Crust)

- सबसे ऊपरी परत
- मोटाई: 5-70 किमी
- महाद्वीपीय एवं महासागरीय पर्पटी
- सिलिका और एल्युमिनियम की प्रधानता (SIAL)

(2) मेंटल (Mantle)

- मोटाई लगभग 2900 किमी
- सिलिका और मैग्नीशियम (SIMA)
- मैग्मा की उपस्थिति
- ऊष्मा एवं संवहन धाराएँ

(3) क्रोड (Core)

- बाह्य एवं आंतरिक क्रोड
- निकेल और लोहा (NIFE)
- आंतरिक क्रोड ठोस, बाह्य क्रोड द्रव अवस्था
- सर्वाधिक घनत्व

प्रश्न 2. भारतीय मानसून तंत्र को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण कीजिए। (8 अंक)

1. स्थल एवं जल का ताप अंतर
2. हिमालय पर्वत का अवरोध
3. आईटीसीजेड (Inter Tropical Convergence Zone)

4. एल-नीनो एवं ला-नीना प्रभाव
 5. जेट धाराएँ
 6. महासागरीय धाराएँ
-

प्रश्न 3. मृदा अपरदन के कारण एवं रोकथाम के उपाय (8 अंक)

कारण:

- वर्षा एवं बाढ़
- पवन
- वनों की कटाई
- अतिचराई

रोकथाम:

- वृक्षारोपण
 - सीढ़ीदार खेती
 - कंदूर प्लाउइंग
 - बाँध एवं तटबंध निर्माण
-

प्रश्न 4. भारत में जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक (8 अंक)

भौगोलिक कारक:

- जलवायु
- मिट्टी
- जल उपलब्धता
- स्थलाकृति

आर्थिक कारक:

- उद्योग
- परिवहन

- रोजगार अवसर
 - नगरीकरण
-

प्रश्न 5. भारत में कृषि की समस्याएँ एवं समाधान (8 अंक)

समस्याएँ:

- छोटे जोत आकार
- सिंचाई की कमी
- मानसून पर निर्भरता
- आधुनिक तकनीक की कमी

समाधान:

- सिंचाई विस्तार
 - उच्च गुणवत्ता बीज
 - कृषि यंत्रीकरण
 - फसल बीमा योजना
-

प्रश्न 6. विश्लेषणात्मक प्रश्न (8 अंक)

(क) परिवहन एवं संचार का आर्थिक विकास में योगदान

- व्यापार को बढ़ावा
 - औद्योगिक विकास
 - क्षेत्रीय संतुलन
 - रोजगार सृजन
-

(ख) पर्यावरणीय संकटों के समाधान में भूगोल की भूमिका

- संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग
- जलवायु परिवर्तन अध्ययन

- आपदा प्रबंधन
- सतत विकास योजना